राजस्थान पत्रिका , पेज नंबर :- 05 दिनांक :- 11/08/2026

बीआरटीएस, एएमटीएस, मेट्रो से आगे — अब लक्ष्य एक ही कनेक्टेड मोबिलिटी नेटवर्क बनाना

भविष्य का कनेक्टेड नेटवर्क

- **एएमटीएस:** घर और मुख्य परिवहन नेटवर्क के बीच कनेक्टिविटी
- **बीआरटीएस:** तेज और किफायती सतही सार्वजनिक परिवहन
- **मेट्रो:** अहमदाबाद-गांधीनगर-गिफ्ट सिटी की शहरी रीढ़
- **रेलवे:** देश के विभिन्न हिस्सों से मजबूत कनेक्टिविटी
- **बुलेट ट्रेन:** अहमदाबाद-मुंबई हाई-स्पीड आर्थिक गलियारा
- **एयरपोर्ट:** अहमदाबाद को देश-दुनिया से जोड़ने वाला द्वार
- **फर्स्ट/लास्ट माइल:** घर से स्टेशन और स्टेशन से गंतव्य तक सुरक्षित पहुंच
- **2030 की तैयारी:** कॉमनवेल्थ गेम्स को देखते हुए एयरपोर्ट के विस्तार की योजना भी महत्वपूर्ण है। नए एकीकृत टर्मिनल से क्षमता को आने वाले वर्षों में करीब 2.5 करोड़ यात्रियों सालाना तक बढ़ाने की योजना बताई गई है।

अहमदाबाद की अगली उड़ान पहियों पर होगी रफ्तार

25 साल में अहमदाबाद बदला तो सिर्फ शहर का भूगोल नहीं बदला, लोगों के सफर की पूरी कहानी बदल गई। फैलते शहर के साथ मेट्रो, बीआरटीएस और एएमटीएस से लेकर रेलवे, एयरपोर्ट और बुलेट ट्रेन तक परिवहन के कई रास्ते बने। अब अगला बदलाव इन रास्तों को एक-दूसरे से जोड़ने का है- ऐसी एकीकृत मोबिलिटी का, जिसमें घर से निकलने से लेकर मंजिल तक का पूरा सफर एक नेटवर्क की तरह चले। यही अहमदाबाद की अगली 25 साल की रफ्तार तय करेगा।

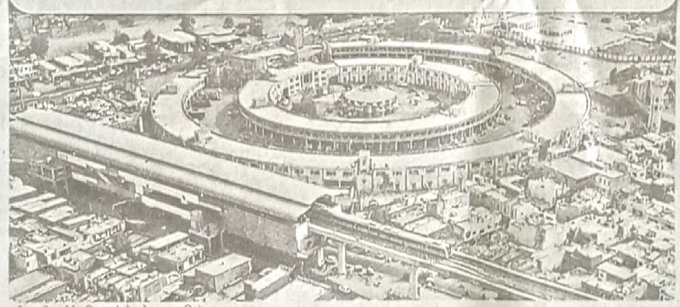

एपीएमसी मार्केट स्थित मेट्रो स्टेशन का विहंगम नजारा।

परिवहन सेवा

शुरुआत : 1 अप्रेल 1947

- कुल एएमटीएस बसें: 1100 बसें
- इलेक्ट्रिक बसें: 15 (2030-31 तक 3,000 इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी)
- एसी डबल डेकर: 04

मेट्रो रेल

- फेज-1 : 40.03 किमी
- फेज-2 : 28.25 किमी
- कुल नेटवर्क : 68.28 किमी
- कुल मेट्रो स्टेशन: 54
- प्रमुख कनेक्शन : अहमदाबाद-गांधीनगर-गिफ्ट सिटी
- आगामी अहम कड़ी : एयरपोर्ट कनेक्टिविटी

बीआरटीएस

- नेटवर्क : लगभग 167 किमी
- बीआरटीएस बसें: 380
- इलेक्ट्रिक बसें : 150
- लक्ष्य : भरोसेमंद परिवहन

बुलेट ट्रेन

- कॉरिडोर: मुंबई-अहमदाबाद लंबाई : 508 किमी
- भविष्य : हाई-स्पीड रेल मेट्रो रेलवे बीआरटीएस एकीकरण

एयरपोर्ट से वैश्विक कनेक्टिविटी

सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा अब केवल गुजरात के यात्रियों के लिए नहीं, बल्कि पश्चिम भारत के प्रमुख विमानन केंद्रों में गिना जाने लगा है। 2025 में यहां करीब 1.33 करोड़ यात्रियों का आवागमन हुआ। बढ़ती मांग को देखते हुए 2026 में नए एकीकृत टर्मिनल पर भी काम शुरू हुआ है। एयरपोर्ट की क्षमता और शहर के भीतर उसकी कनेक्टिविटी आने वाले वर्षों में अहमदाबाद की आर्थिक भूमिका को और मजबूत कर सकती है। एयर कनेक्टिविटी से यहां के उद्योग जगत को भी सहूलियतें हुई है।

डिजिटल सुविधा से यात्रियों को राहत

अहमदाबाद महानगर परिवहन सेवा यानी एएमटीएस की शुरुआत 1 अप्रेल 1947 को हुई थी। पिछले 25 वर्षों में इसका स्वरूप बदला है और अब इसे आधुनिक सूचना प्रणाली, डिजिटल यात्री सूचना तथा नए वाहनों से मजबूत करने की दिशा में काम हो रहा है। एएमटीएस का सबसे बड़ा महत्व आज भी यही है कि यह शहर के उन हिस्सों तक पहुंचती है, जहां तेज परिवहन के बड़े कॉरिडोर नहीं हैं। अब यह इलेक्ट्रिक और डबल डेकर के रूप में भी है। इसके बाद आया जनमार्ग यानी बीआरटीएस, जिसने अहमदाबाद को देश के उन शहरों में शामिल किया जहां बस आधारित रैपिड ट्रांजिट सिस्टम ने शहरी परिवहन की तस्वीर बदली। आज बीआरटीएस का नेटवर्क लगभग 167 किलोमीटर तक पहुंच चुका है और एएमटीएस के साथ मिलकर यह शहर के बड़े हिस्से को सार्वजनिक परिवहन से जोड़ता है। अहमदाबाद बीआरटीएस लिमिटेड

के आंकड़ों के अनुसार उसके बेड़े में इलेक्ट्रिक बसों का उपयोग भी बढ़ा है। मेट्रो ने इस परिवहन कहानी में सबसे बड़ा बदलाव किया। पहले चरण से शुरू हुई सेवा अब अहमदाबाद, गांधीनगर और गिफ्ट सिटी को जोड़ने वाले नेटवर्क में बदल चुकी है। गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अनुसार अहमदाबाद मेट्रो के फेज-1 की लंबाई 40.03 किलोमीटर और फेज-2 की 28.25 किलोमीटर है।

अगले 25 साल में पूरा मोबिलिटी इकोसिस्टम होगा मजबूत

अगले 25 वर्षों में अहमदाबाद की परिवहन व्यवस्था का लक्ष्य केवल नई सड़क, नई बस या नई रेल लाइन बनाना नहीं होना चाहिए। असली लक्ष्य होना चाहिए- एक ऐसा एकीकृत मोबिलिटी सिस्टम, जिसमें यात्री घर से निकलने के बाद अपनी पूरी यात्रा एक ही नेटवर्क के रूप में अनुभव करे। मेट्रो, बीआरटीएस और एएमटीएस के बीच बेहतर समय-सारिणी और फीडर सेवाएं, एयरपोर्ट और रेलवे से निर्बाध कनेक्टिविटी, पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ते और साइकिल नेटवर्क भविष्य की जरूरत होंगे। एकीकृत टिकटिंग और कॉमन मोबिलिटी कार्ड को और व्यापक बनाया जा सकता है। अहमदाबाद की पहचान ऐसी व्यवस्था से बन सकती है जिसमें एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर यात्रा की योजना, टिकट, पार्किंग और रियल टाइम परिवहन सूचना उपलब्ध हो। 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स शहर के लिए इस बदलाव की समय-सीमा भी तय करते हैं।

नैरोगेज से हाई-स्पीड रेल तक की छलांग

रेलवे अहमदाबाद की परिवहन व्यवस्था की पुरानी और मजबूत रीढ़ है। यहां हाई-स्पीड रेल स्टेशन, भारतीय रेलवे, मेट्रो और सड़क परिवहन को एक साथ जोड़ने की योजना है। साबरमती एचएसआर स्टेशन को मौजूदा रेल, मेट्रो और बीआरटीएस नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में काम हो रहा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर 508 किलोमीटर लंबा है और इसमें 12 स्टेशन प्रस्तावित हैं। इनमें अहमदाबाद और साबरमती दोनों शामिल हैं। बुलेट ट्रेन के साथ अहमदाबाद देश के हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का महत्वपूर्ण प्रवेशद्वार बन सकता है।

भरोसे का 25 साल का सफर

निष्पक्षता और निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय

आचार्य देवव्रत
राज्यपाल, गुजरात

गुजरात के अग्रणी हिंदी समाचार पत्र 'राजस्थान पत्रिका' का अहमदाबाद संस्करण अपनी गौरवशाली यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। पिछले ढाई दशकों में जन-सरोकार, निष्पक्षता, निर्भीकता और विश्वसनीयता की पत्रकारिता का पर्याय बन चुके इस समाचार पत्र ने समाज और प्रशासन के बीच एक सशक्त संवाद सेतु की भूमिका निभाई है। इस समाचार पत्र ने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर सामाजिक चेतना को जागरूक करने का सराहनीय कार्य किया है। लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ के रूप में 'राजस्थान पत्रिका' ने अपनी पत्रकारिता स्वतंत्रता और उच्च मूल्यों को सदैव सर्वोपरि रखा है। रजत जयंती के इस ऐतिहासिक अवसर पर राजस्थान पत्रिका के अहमदाबाद संस्करण की संपादकीय टीम, पाठकों और इससे जुड़े सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

गुजरात में हिंदी पत्रकारिता को नई दिशा, उत्तरदायी मीडिया बन नई दिशा प्रदान की

भूपेंद्र पटेल,
मुख्यमंत्री, गुजरात

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उसकी संस्थाओं के साथ-साथ सत्य, संवेदनशीलता और जनहित के प्रति समर्पित पत्रकारिता में भी निहित होती है। निष्पक्ष, निर्भीक और उत्तरदायी मीडिया समाज को जागरूक बनाने के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को भी निरंतर सुदृढ़ करता है। ऐसे में पत्रकारिता केवल समाचारों का माध्यम नहीं रहती, बल्कि समाज और शासन के बीच विश्वास, संवाद और उत्तरदायित्व का एक सशक्त सेतु बन जाती है। गुजरात के हिंदी दैनिक 'राजस्थान पत्रिका' के अहमदाबाद संस्करण ने पिछले 25 वर्षों में इन्हीं मूल्यों को आत्मसात करते हुए जनविश्वास की एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। आगामी 11 अगस्त, 2026 को जब यह संस्करण अपनी रजत जयंती मनाएगा, तब यह उपलब्धि केवल एक समाचार-पत्र की नहीं, बल्कि गुजरात में हिंदी पत्रकारिता की समृद्ध परंपरा, उसकी विश्वसनीयता और उसके निरंतर विकास का भी गौरवपूर्ण उत्सव होगी।

समाज, सरकार के बीच एक प्रभावी संवाद-सेतु की सशक्त भूमिका निभाई

हर्ष संघवी,
उपमुख्यमंत्री, गुजरात

देश के प्रमुख एवं प्रतिष्ठित समाचार पत्र समूह राजस्थान पत्रिका के अहमदाबाद संस्करण के 25 वर्ष (रजत जयंती वर्ष) पूर्ण होने के शुभ अवसर पर समस्त पत्रिका परिवार, संपादकीय टीम और इसके प्रिय पाठकों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं। निष्पक्ष, भयमुक्त और जन-सरोकार से जुड़ी पत्रकारिता किसी भी सशक्त लोकतंत्र का सुदृढ़ स्तंभ होती है। पिछले ढाई दशकों में राजस्थान पत्रिका के अहमदाबाद संस्करण ने निष्पक्षता और विश्वसनीयता के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए गुजरात में जनहित के विषयों को सदैव प्राथमिकता दी है तथा समाज और सरकार के बीच एक प्रभावी संवाद-सेतु की भूमिका निभाई है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अपनी इस गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपरा को अक्षुण्ण रखते हुए राजस्थान पत्रिका सत्य, सामाजिक दायित्व और राष्ट्रहित के प्रति निष्ठा के साथ समाज में सकारात्मक चेतना और विकास के संकल्प को सुदृढ़ करता रहेगा।

हेरिटेज सिटी अहमदाबाद — मेट्रो, बीआरटीएस और एएमटीएस में आपसी तालमेल जरूरी

असली मंजिल: घर से गंतव्य तक निर्बाध सफर

कुमार मनीष
सस्टेनेबल मोबिलिटी एडवोकेट, अर्बन डीकार्बोनाइजेशन के संस्थापक

अहमदाबाद की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसके पास सार्वजनिक परिवहन के तीन मजबूत आधार हैं-मेट्रो, बीआरटीएस और एएमटीएस। सवाल यह नहीं है कि शहर के पास परिवहन के साधन कितने हैं, बल्कि यह है कि ये साधन एक-दूसरे से कितनी आसानी से जुड़ते हैं। आने वाले वर्षों में अहमदाबाद को विश्वस्तरीय परिवहन वाला शहर बनाना है तो अगली चुनौती नई बस या नई ट्रेन जोड़ने से ज्यादा मौजूदा नेटवर्क को एकीकृत करने की होगी।

इस बदलाव की शुरुआत उस जगह [illegible] शुरू होती है-बस स्टॉप और स्टेशन से। बीआरटीएस ने वर्षों पहले यह साबित किया कि यात्रियों को डिजिटल स्क्रीन पर अगली बस के आने का सही समय पता हो तो सार्वजनिक परिवहन का अनुभव काफी बेहतर हो जाता है। अब यही सुविधा एएमटीएस के बस स्टॉप और मेट्रो स्टेशनों के बाहर भी अनिवार्य होनी चाहिए। हर प्रमुख स्थान पर रियल टाइम आगमन सूचना, अगली सेवा का समय, किराया और कनेक्टिविटी का स्पष्ट नक्शा हो, ताकि यात्री बस या मेट्रो का इंतजार करने के बजाय अपनी पूरी यात्रा की योजना वहीं बना सके। चार मिनट का [illegible]

असली बदलाव एक कॉमन मोबिलिटी कार्ड से

अहमदाबाद के सार्वजनिक परिवहन में अगला बड़ा बदलाव एक कॉमन मोबिलिटी कार्ड हो सकता है। वस्त्राल का श्रमिक, नारणपुरा की नर्स या गोता का विद्यार्थी एक ही कार्ड से मेट्रो, बीआरटीएस और एएमटीएस में यात्रा कर सके-बिना अलग-अलग टिकट, ऐप या भुगतान प्रणाली के। दुनिया के कई शहर इस दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। हांगकांग का 'ऑक्टोपस कार्ड' और लंदन का 'ऑयस्टर कार्ड' केवल सार्वजनिक परिवहन तक सीमित नहीं हैं। वहां ऐसे कार्डों से पार्किंग और विभिन्न सेवाओं का भुगतान भी किया जा सकता है। अहमदाबाद में भी ऐसा एकीकृत कार्ड विकसित किया जा सकता है, जिससे सार्वजनिक परिवहन के साथ पार्किंग, मनपा की चुनिंदा सेवाओं और अन्य नागरिक सुविधाओं का भुगतान संभव हो। इससे यात्रा आसान होने के साथ-साथ डिजिटल और कैशलेस परिवहन व्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

शहर के केंद्र में कार नहीं, यात्री होना चाहिए

अहमदाबाद ने पिछले वर्षों में कई बड़ी परिवहन परियोजनाएं देखी हैं। स्मार्ट बस स्टॉप, रियल टाइम यात्री सूचना, मेट्रो-बीआरटीएस-एएमटीएस का समयबद्ध समन्वय, एक साझा भुगतान प्रणाली, का असर करोड़ों यात्राओं पर पड़ेगा। यदि यात्री एक ही टिकट, एक ही सूचना प्रणाली, सहज इंटरचेंज के जरिए घर से गंतव्य तक पहुंच सके, तभी अहमदाबाद वास्तव में विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन [illegible]

Scanned with OKEN Scanner